भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2475
बुधवार, 16 मार्च, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

टाईड गेज नेटवर्क

2475. श्री मंगुटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) केंद्र सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन संबंधी अनुसंधान परियोजना का ब्यौरा क्या है;
(ख) समुद्र के स्तर में वृद्धि की भविष्यवाणी करने के लिए आधारभूत डेटा और उन्नत एलिवेशन डेटा की कितनी उपलब्धता है; और
(ग) भारत विशेष रूप से आंध्र प्रदेश में स्थापित टाइड गेज नेटवर्क का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(**क**) महोदय, हाल ही में मंत्रिमंडल ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जाने वाले एक मिशन मोड कार्यक्रम "डीप ओशन मिशन" को मंजूरी दी है। अन्य बातों के अलावा इस मिशन का एक उद्देश्य, विभिन्न जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत भारत के तट के साथ समुद्र के स्तर में वृद्धि का अनुमान प्रदान करना है। इस परियोजना के परिणाम के रूप में, संवेदनशील क्षेत्रों और संभावित बाढ़ परिदृश्यों की पहचान करने वाले इंटरैक्टिव **GIS** मैप्स का एक समूह तैयार किया जाएगा।

(**ख**) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के स्वायत्त संस्थान, इंकॉइस ने सुनामी इनंडेशन मॉडलिंग एंड वल्नरेबिलिटी मैपिंग के लिए इसरो के तहत नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) से बेसलाइन एयरबोर्न लिडार टेरेन मैपिंग (एएलटीएम) एलिवेशन डेटा हासिल किया है। यह डेटा भारतीय मुख्य तटीय भूमि के लिए तट से दो किलोमीटर तक भारतीय मुख्यभमि तट के लिए उपलब्ध है और इसका उपयोग समुद्र के स्तर में वृद्धि के पूर्वानुमान के लिए किया जाएगा।

(**ग**) भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी प्रणाली के हिस्से के रूप में, इंकॉइस ने सुनामी लहरों की निगरानी और समय पर परामर्शिकाएं प्रदान करने के लिए भारतीय तट के साथ विभिन्न स्थानों पर 36 टाईड गेज का एक रियल टाइम नेटवर्क स्थापित किया है। इसने आंध्र प्रदेश में निम्नलिखित स्थानों पर 4 टाइड गेज स्थापित किए हैं।

क्र.सं.	स्टेशन का नाम	अक्षांश (°उ)	देशांतर (°पू)
1	विशाखापट्टनम	17.683	83.283
2	काकीनाडा	16.933	82.25
3	मछलीपट्टनम	16.145	81.178
4	कृष्णापट्टनम	14.25	80.133

******